

कल्प बीते हैं" -महादेवी वर्मा (दीपशिखा 26) 5. प्रलय 6. चिकित्सा जैसे- दुग्ध कल्प पुरा. युग, कालावधि जैसे- 'मध्य कल्प', पूर्व कल्प।

कल्पक वि. (तत्.) 1. जो कल्पना करता हो, कल्पना करने वाला, रचयिता, निर्माता 3. काटने वाला जैसे- "केश कल्पक" 2. पुं. (तत्.) विधि विधान से नेग लेने वाला, नाई अन्य परिचारक जो धार्मिक तथा अन्य संस्कारों में सहायता करता हो।

कल्प-कानन पुं. (तत्.) कल्पवृक्ष का वन, (स्वर्गस्थ) नंदन-कानन (नंदनवन) उदा. उड़ी आ रही छूट कुसुम-वल्लियाँ कल्प-कानन से -दिनकर (उर्वशी-प्रथम अंक)।

कल्पकार पुं. (तत्.) 'कल्पसूत्र के रचनाकार (आश्वलायन, आपस्तम्ब, बोधायन या कात्यायन) सजाने-सँवारने वाला व्यक्ति 3. नाई, नापित।

कल्प-क्षय पुं. (तत्.) कल्पांत में होने वाला प्रलय, कल्प की आखिरी घड़ी (अंत समय) में घटित होने वाला सृष्टि का विनाश या अंत।

कल्पतरु पुं. (तत्.) दे. कल्पवृक्ष।

कल्पद्रुम पुं. (तत्.) कल्पतरु दे. कल्पवृक्ष।

कल्पन पुं. (तत्.) 1. कल्पना करके किसी वस्तु की रचना करने या रूप देने की क्रिया, भाव 2. कल्पना करना 3. काटना या छाँटना।

कल्पनक पुं. (तत्.) 1. कल्पनाएँ करते रहने वाला व्यक्ति 2. उत्तम कल्पना करने वाला आदमी 2. वि. (तत्.) कल्पना-शक्ति वाला 2. सदा कल्पना करते रहने वाला 3. कल्पनाशील।

कल्पना स्त्री. (तत्.) मौलिक तथा नई बात या वस्तु की रचना विषयक चिंतन 1. कोई नई बात सोचना 2. मौलिक उद्भावना या सोच 3. चिंतन 4. किसी अनदेखी अनुसुनी बातों के स्वरूप का चिंतन-मनन 5. किसी वस्तु में अन्य वस्तु का आरोप 6. नई-सोच तथा तदनुसार स्वरूप निर्धारण 7. नई वस्तु या घटना आदि की संभावना 8. मानसिक चित्र 9. रूप-विधान 10. अनुमान, रचना, बनावट 11. मनगढ़ंत बात।

कल्पना-चित्र पुं. (तत्.) 1. वह चित्र जो अपने मन में बने विचार-सूत्रों से बनाया गया हो, कल्पना से निर्मित या बनाया गया चित्र।

कल्पना-दृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. कल्पना या अनुमान करने की शक्ति, समझ या सूझ 2. नई वस्तु की रचना की सूझ।

कल्पनानुरंजित वि. (तत्.) कल्पना की क्रिया में तल्लीन, कल्पना करने में रमा या रंगा हुआ, कल्पनाशील।

कल्पना-प्रसूत वि. (तत्.) 1. जो कल्पना से उत्पन्न हुआ हो, कल्पना-रचित 2. मनगढ़ंत।

कल्पनावाद पुं. (तत्.) (काव्य.) कला को अनुभूत कल्पना भर मानने वाला मत या वाद।

कल्पना शक्ति स्त्री. (तत्.) 1. उद्भावना-शक्ति 2. वह क्षमता या चिंतन-मनन की शक्ति जिससे नवीन रचना संभव हो सके 3. उद्भावना शक्ति।

कल्पनाशील वि. (तत्.) 1. कल्पना शक्ति से संपन्न या युक्त 2. सूझ तथा वैचारिक क्षमता वाला, चिंतन-मननशील।

कल्पना-सृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. काल्पनिक रचना अथवा वह रचना जो मात्र कल्पना पर आधारित हो, मनगढ़ंत रचना।

कल्पनीय वि. (तत्.) 1. जिसकी कल्पना संभव हो, कल्पना में आने योग्य 2. जिसकी कल्पना करनी हो।

कल्प-पादप पुं. (तत्.) दे. कल्पवृक्ष।

कल्प-लता स्त्री. (तत्.) 1. कल्पवृक्ष की शाखा, कल्पवृक्ष की लता।

कल्प-लतिका स्त्री. (तत्.) 'कल्पलता', कल्पवृक्ष की लता या शाखा।

कल्प-वयन पुं. (तत्.) कल्पना की उधेड़-बुन, काल्पनिक चिंतन-मनन का कार्य, क्रिया-कलाप।

कल्प-वल्ली स्त्री. (तत्.) कल्पलता, कल्पवृक्ष।

कल्पवास पुं. (तत्.) घर छोड़कर माघ में गंगा तट पर संयमपूर्वक किया गया पुण्य प्रवास या वास।